Choti Choti Gaiya Chote Chote Gwal Lyrics

Choti Choti Gaiya Chote Chote Gwal Lyrics in Hindi

छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल ।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल ॥
छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल ।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल ॥
आगे आगे गैया पीछे पीछे ग्वाल ।
बीच में मेरो मदन गोपाल ॥

छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल ।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल ॥

कारी कारी गैया, गोरे गोरे ग्वाल।
श्याम वरण मेरो मदन गोपाल॥

छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल ।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल ॥

घास खाए गैया, दूध पीवे ग्वाल ।
माखन खावे मेरो मदन गोपाल ॥

छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल ।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल ॥

छोटी छोटी लकुटी, छोले छोटे हाथ ।
बंसी बजावे मेरो मदन गोपाल ॥

छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल ।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल ॥

छोटी छोटी सखियाँ, मधुबन बाग ।
रास राचावे मेरो मदन गोपाल ॥

छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल ।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल ॥
छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल ।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल ॥

Choti Choti Gaiya Chote Chote Gwal Lyrics in English

Chhoti chhoti gayiyaan, chhote chhote gwal.
Chhoto so mero Madan Gopal.
Chhoti chhoti gayiyaan, chhote chhote gwal.
Chhoto so mero Madan Gopal.
Aage aage gayiyaan, peeche peeche gwal.
Beech mein mero Madan Gopal.

Chhoti chhoti gayiyaan, chhote chhote gwal.
Chhoto so mero Madan Gopal.

Kaari kaari gayiyaan, gore gore gwal.
Shyam varan mero Madan Gopal.

Chhoti chhoti gayiyaan, chhote chhote gwal.
Chhoto so mero Madan Gopal.

Ghaas khaaye gayiyaan, doodh peeve gwal.
Makhan khaave mero Madan Gopal.

Chhoti chhoti gayiyaan, chhote chhote gwal.
Chhoto so mero Madan Gopal.

Chhoti chhoti lakuti, chhole chhote haath.
Bansi bajaye mero Madan Gopal.

Chhoti chhoti gayiyaan, chhote chhote gwal.
Chhoto so mero Madan Gopal.

Chhoti chhoti sakhiyan, Madhuban baag.
Raas raachaave mero Madan Gopal.

Chhoti chhoti gayiyaan, chhote chhote gwal.
Chhoto so mero Madan Gopal.
Chhoti chhoti gayiyaan, chhote chhote gwal.
Chhoto so mero Madan Gopal.

About Choti Choti Gaiya Chote Chote Gwal Bhajan in English

“Chhoti Chhoti Gaiya, Chhote Chhote Gwal” is a beautiful devotional bhajan that celebrates the innocence, charm, and divine presence of Lord Krishna, particularly his childhood days in the village of Vrindavan. This bhajan beautifully captures the essence of Lord Krishna’s early life, where he is often depicted as a playful and loving child surrounded by his beloved cows (gaiya) and young cowherds (gwal).

- **Celebration of Innocence:** The bhajan emphasizes the simplicity and purity of Krishna’s childhood, symbolized by the small cows and cowherds. The repetitive line “Chhoti Chhoti Gaiya, Chhote Chhote Gwal” reflects the playful and tender nature of Krishna’s interactions with his companions and the animals around him.
- **Divine Presence:** The song also highlights how Krishna, the divine being, is always present among the little cows and cowherds, bringing joy, harmony, and blessings. “Chhoto so mero Madan Gopal” refers to Krishna as Madan Gopal, acknowledging him as the playful and charming form of God.
- **Symbolism of Krishna’s Qualities:** The bhajan speaks of Krishna’s divine qualities, such as his enchanting flute playing, his love for butter and milk, and his connection to nature. The verse “Makhan khave mero Madan Gopal” refers to Krishna’s love for butter, which was one of his well-known traits in his early life.
- **Devotional Connection:** Through this bhajan, devotees are reminded of Lord Krishna’s divine, innocent, and loving nature, helping them connect with him on a personal level. It

serves as a reminder of his divine playfulness and his deep bond with his devotees, whether they are the simple cowherds or the beloved animals.

Overall, “Chhoti Chhoti Gaiya, Chhote Chhote Gwal” is not just a bhajan; it is a celebration of Krishna’s childhood and the purity and simplicity of his love for all living beings. The bhajan inspires devotion, joy, and a deeper connection to Krishna’s divine presence in everyday life.

About Choti Choti Gaiya Chote Chote Gwal Lyrics in Hindi

“छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल” भजन के बारे में

“छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल” एक सुंदर भजन है जो भगवान श्री कृष्ण के बचपन की दिव्यता, मासूमियत और उनके साथियों के प्रति प्रेम को व्यक्त करता है। यह भजन श्री कृष्ण के गोवर्धन पर बसे गांव वृंदावन में उनके बाल्यकाल की सुंदरता और सरलता को दर्शाता है, जहां वे अपनी छोटी-छोटी गायों और ग्वालों के साथ खेलते और बांसुरी बजाते थे।

- **मासूमियत और सरलता का उत्सव :** इस भजन में भगवान कृष्ण के बचपन की मासूमियत को दर्शाया गया है, जहां “छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल” की पंक्ति यह दर्शाती है कि कृष्ण हमेशा अपनी गायों और ग्वालों के साथ एक सरल, नन्हे और प्रेमपूर्ण रूप में रहते थे।
- **दिव्य उपस्थिति :** भजन में भगवान श्री कृष्ण की दिव्य उपस्थिति का उल्लेख किया गया है। “छोटो सो मेरो मदन गोपाल” पंक्ति में कृष्ण को ‘मदन गोपाल’ के रूप में पहचाना गया है, जो उनके चंचल और आकर्षक रूप को दर्शाता है। वे गायों और ग्वालों के बीच होते हुए भी हर जगह अपने भक्तों के बीच में उपस्थित रहते थे।
- **कृष्ण के गुणों का प्रतीक :** यह भजन भगवान कृष्ण के बाल्यकाल में उनके द्वारा किए गए विभिन्न दिव्य कृत्यों का उल्लेख करता है, जैसे उनका माखन खाना (“माखन खावे मेरो मदन गोपाल”) और बांसुरी बजाना (“बंसी बजावे मेरो मदन गोपाल”)। ये सब कृष्ण के स्वभाव और उनके प्रेम से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें हैं।
- **भक्ति और प्रेम का अनुभव :** इस भजन के माध्यम से भक्तों को भगवान कृष्ण के बचपन की लीलाओं का स्मरण कराते हुए, उन्हें भक्ति और प्रेम से जुड़ने का अवसर मिलता है। यह भजन कृष्ण की मासूमियत और प्रेमपूर्ण छवि को दर्शाता है, जो उनके भक्तों के लिए एक गहरी आत्मिक और भक्ति की प्रेरणा बन जाता है।

कुल मिलाकर, “छोटी छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल” भजन भगवान श्री कृष्ण के बचपन के दिव्य रूपों और उनकी गोवर्धन पर आधारित लीलाओं को प्रेम और भक्ति के साथ व्यक्त करता है। यह भजन भक्तों को कृष्ण के प्रति एक नई और गहरी भक्ति का अनुभव कराता है।